दिन– मंगलवार   दिनांक– 01 / 10 / 2024

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– प्रातः 08.48 बजे से।   अवधि– 15 मिनट

---

01. गोपालगंज, सुपौल, दरभंगा, मधुबनी और सहरसा सहित उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिलों में बाढ की स्थिति गंभीर। नए इलाकों में बाढ का पानी फैला।

02. कोसी, गंडक और बागमति समेत अन्य नदियों में भारी जलस्त्राव से सीतामढ़ी के बेलसंड में बागमती और पूर्वी चंपारण के सुगौली में सिकहरना नदी का तटबंध टूटा।

03. केंद्र सरकार ने कहा बिहार में बाढ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीम भेजी जाएगी।

04. और, प्रदेश के सभी जिलों में आज से यातायात से जुड़ी जानकारी के लिए मैप माई इंडिया ऐप सुविधा की हो रही है शुरूआत।

———————————————————

नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण कोसी और गंडक बराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से उत्तरी और पूर्वी बिहार में बाढ की स्थिति गंभीर हो गई है। बाढ का पानी कई नए इलाकों में तेजी से फैल रहा है। विभिन्न नदियों में भारी जलस्त्राव से सीतामढ़ी के बेलसंड में बागमती और पूर्वी चंपारण के सुगौली में सिकहरना नदी का तटबंध टूट गया है। वहीं, खगड़िया, समस्तीपुर, भागलपुर, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सुपौल और भोजपुर में भी विभिन्न स्थानों पर तटबंधों पर भारी दबाव बना हुआ है। हालांकि कोसी और अन्य नदियों के जलस्तर में कमी आने से कई स्थानों पर बाढ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है। गोपालगंज, सुपौल, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, अररिया, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी और पश्चिम चंपारण सहित सोलह जिलों की लगभग दस लाख की आबादी बाढ से प्रभावित हैं।

———————————————————

शिवहर जिले में बागमती नदी का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर रहने के कारण जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। एक रिपोर्ट––

–––रिपोर्ट–––

बागमती नदी का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर रहने के कारण शिवहर जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। तरियानी छपरा गांव के पास टूटे बागमती तटबंध होकर पानी का बहाव तेजी से जारी रहने के कारण बाढ़ का पानी नए इलाके में फैल रहा है। तरियानी छपरा और आसपास का गांव जलमग्न हो गए हैं। एनडीआरएफ की टीम बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में युद्ध स्तर पर काम कर रही है। बाढ से प्रभावितल लोग ऊंचे स्थलों पर शरण लिए हुए हैं। इधर, पिपराही प्रखंड के रतनपुर के पास बना रिंग बांध भी

पानी के दबाव के कारण टूट गया। तरियानी के अलावा पुरनहिया प्रखंड के बराही जगदीश और दोस्तियां गांव में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्री ने बताया की बाढ़ प्रभावितों के छह सामुदायिक रसोई कैंप में भोजन कराया जा रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए शिवहर से हरिकांत सिंह।

दरभंगा से हमारे संवाददता ने बताया है कि जिले में आठ पंचायत बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित हैं। कई तटबंधों पर दबाव बढ़ने से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गयी है। एक रिपोर्ट––

–––रिपोर्ट–––

जिले के जमालपुर थानान्तर्गत भुभौल गाँव के पास कोसी नदी का पश्चिमी तटबंध टूटने के बाद गंडौल सड़क पर पानी का बहाव रूक गया है। हालांकि किरतपुर प्रखण्ड के आठ पंचायत और गौड़ाबौराम प्रखण्ड के कई पंचायतों में बाढ की स्थिति में कोई सुधार नहीं है। बाढ़ग्रस्त प्रभावित क्षेत्रों में तेईस जगहों पर कम्यूनिटी किचेन चलाया जा रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए दरभंगा से मणिकांत झा।

सुपौल जिले में कोसी नदी के जलस्तर में कमी दर्ज होने के साथ ही बाढ प्रभावित क्षेत्रों में पानी घट रहा है। हमारे संवाददाता ने बताया है कि सदर प्रखंड में घुरन जाने वाली सड़क आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुयी है।

–––रिपोर्ट–––

सुपौल तटबंध के भीतर सुपौल के सदर प्रखंड के डभारी चौक के पास 57. 20 प्वाइंट से घुरन जाने वाली सड़क बाढ़ में आंशिक रूप में क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसके कारण मुख्य शहर से घूरन क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों का संपर्क टूट गया है। हालांकि एनआरडीएफ और एसडीआरएफ टीम द्वारा बाढ़ में फंसे लोगों को पहले ही निकाला जा चुका है। इधर, कोसी तटबंध के भीतर लगभग पच्चीस पंचायतों की डेढ़ लाख आबादी बाढ से प्रभावित है। इनके लिए पैंतीस सामुदायिक रसोई किचने का संचालन किया जा रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए सुपौल से रविशंकर चौधरी।

वहीं, कोसी बराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद मधेपुरा जिले के चौसा और आलमनगर प्रखंड में बाढ़ का पानी तेज गति से फैलने लगा है। हमारे संवाददाता ने बताया है कि विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं।

मुजफ्फरपुर जिले के औराई, कटरा और गायघाट प्रखंड की कई पंचायतों के सैंकड़ों गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। और ब्यौर के साथ हैं हमारे संवाददाता––

–––रिपोर्ट–––

जिले के औराई, कटरा और गायघाट के कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। इन क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से राहत शिविर, सामुदायिक किचन, पॉलिथीन शीट वितरण, मेडिकल

कैंप, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति, तटबंध की सुरक्षा और निगरानी, नाव की व्यवस्था, सड़कों पर आवागमन की सुविधा बहाल रखने सहित सभी आवश्यक सुविधा की गयी है। प्रशासन की ओर से औराई, कटरा और गायघाट समेत जिले के सभी अस्पतालों को अलर्ट मोड में रहने तथा डॉक्टर को मुख्यालय में बने रहने का सख्त निर्देश दिया गया है। इन क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार एंबुलेंस की सेवा भी उपलब्ध करायी जा रही है।

इधर, सीतामढ़ी जिले में भी बागमती और अधवारा समूह की नदियों के जलस्तर में कल से ही गिरावट जारी है। इससे बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार देखा जा रहा है। हमारे संवाददाता ने बताया है कि जिला प्रशासन की ओर से बेलसंड और रून्नीसैदपुर प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं।

———————————————————————

आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बाढ प्रभावित दरभंगा और सीतामढ़ी जिले का हवाई सर्वेक्षण किया। अपर मुख्य सचिव ने प्रभावित इलाकों में पर्याप्त रोशनी के लिए जनरेटर लगाने के साथ ही अस्थाई शौचालय बनाने के निर्देश दिये हैं। इधर, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान आज सहरसा जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। श्री पासवान इस दौरान बराही, सहरसा परिसदन, केदली पंचायत के प्रभावित इलाकों का जायजा लेंगे।

———————————————————————

गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार बाढ़ प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार बाढ़ प्रभावित राज्यों बिहार और पश्चिम बंगाल में नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द ही अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीमें भेजी जाएंगी।

———————————————————————

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले चौबीस घंटों के दौरान सीवान, सीतामढी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मुंगेर, जमुई सहित आसपास के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान मेघगर्जन और वज्रपाता की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शेष स्थानों पर मौसम शुष्क बना रहेगा।

———————————————————————

प्रदेश के सभी जिलों में आज से यातायात से जुड़ी सीधी जानकारी के लिए मैप माई इंडिया ऐप की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इस ऐप के जरिए ट्रैफिक से जुड़ी समस्याओं की जानकारी मुफ्त उपलब्ध करायी जाएगी। ऐप के लिए जिला स्तर पर वाट्स्अप ग्रुप भी बनाया गया है। इसके अलावा ऐप पर तस्वीर के माध्यम से दुर्घटना और जाम से संबंधित जानकारी उपलब्ध होगी। देश में बिहार चौथा राज्य है, जहां यह सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

————————————————————————

राजस्व और भूमि सूधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि भूमि सर्वेक्षण में कागजात जमा करने के लिए रैयतों को और तीन महीने की छूट दी जा सकती है। गौरतलब है कि सरकार ने पहले ही रैयतों को तीन महीने की मोहलत दी है।

———बाईट———

————————————————————————

और अब प्रस्तुत है स्वच्छता ही सेवा श्रृंखला के तहत आकाशवाणी समाचार की विशेष प्रस्तुति । आज की कड़ी में गया जिले की रिपोर्ट जहां स्वच्छता सेनानियों ने कचरे से कंचन की तर्ज पर पार्क तैयार किया है। –

———रिपोर्ट———

————————————————————————

प्रदेश में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ रहा है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान डेंगू के सड़सठ नये मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें सबसे अधिक पटना जिले से पचास मरीज मिले हैं। राज्य में अबतक तीन हजार एक सौ इक्यासी लोग डेंगू से पीडित हुए हैं।

————————————————————————

रेलवे की ओर से आज से कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। कोडरमा–गया–दीनदयाल–प्रयागराज–दिल्ली के रास्ते धनबाद और जम्मूतवी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाया जाएगा। यह ट्रेन धनबाद से प्रत्येक मंगलवार और जम्मूतवी से प्रत्येक बुधवार को चलेगी। इधर, पटना से बनारस तक चलने वाली जनशताब्दी

एक्सप्रेस का आज से सोलह अक्टूबर तक दानापुर स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव किया गया है।

बेगूसराय और पटना के मोकमा के बीच स्थित राजेन्द्र सेतु मरम्मत कार्य के कारण सेतु के सड़क मार्ग पर आज रात दस बजे से कल सुबह छह बजे तक आवागमन बंद कर दिया गया है।

———————————————————————

आज अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस है। वृद्धजन के प्रति आदर और सम्मान प्रदर्शित करने के मकसद से हर वर्ष एक अक्टूबर को यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने अपने संदेश में कहा है कि वृद्धजनों के मार्गदर्शन और ज्ञान से हमारा परिवार तथा समाज सशक्त बनता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है वृद्धजनों के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने भी इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लेने का आहवान किया है।

———————————————————————

अखबारों की सुर्खियां.....

अब पटना से प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्रों की सुर्खियां.......

आज के सभी समाचार पत्रों ने प्रदेश में ंबाढ की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

हिन्दुस्तान की सुर्खी है – दस जिलों में बांधों पर भारी दबाव। एक दर्जन नदियों के तटबंध में कटाव। बाढ से डेढ लाख हेक्टेयर में फसल क्षति।

दैनिक भास्कर ने इसी खबर का शीर्षक दिया है– राज्य के सोलह जिलों के पचपन प्रखंडों की नौ लाख से अधिक की आबादी बाढ से घिरी।

दैनिक जागरण की प्रमुख खबर है– गोपालगंज में शराब तस्करों से मुठभेड। दो को लगी गोली।

प्रभात खबर लिखता है– जीएसटी मुक्त हो सकता है ट्रेक्टर, उन्नीस अक्टूबर को काउंसिल की बैठक में किसानों को राहत संभव। अखबार की एक अन्य सुर्खी है– पंद्रह विदेशी श्रद्धालुओं ने गया में पितरों के लिये किया पिंडदान।

नवबिहार टाइम्स ने लिखा है– दशहरे में ड्रोन से होगी निगरानी। सादे लिबास में तैनात रहेगी पुलिस।

और अब अंत में मुख्य समाचार...........

01. गोपालगंज, सुपौल, दरभंगा, मधुबनी और सहरसा सहित उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिलों में बाढ की स्थिति गंभीर। नए इलाकों में बाढ का पानी फैला।

02. कोसी, गंडक और बागमति समेत अन्य नदियों में भारी जलस्त्राव से सीतामढ़ी के बेलसंड में बागमती और पूर्वी चंपारण के सुगौली में सिकहरना नदी का तटबंध टूटा।

03. केंद्र सरकार ने कहा बिहार में बाढ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीम भेजी जाएगी।

04. और, प्रदेश के सभी जिलों में आज से यातायात से जुड़ी जानकारी के लिए मैप माई इंडिया ऐप सुविधा की हो रही है शुरूआत।

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।